भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +**3495**

सोमवार, **15** जुलाई, 2019/24 आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन क्षेत्र में भारत की रैंकिंग

+3495.श्री शिशिर कुमार अधिकारीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि भारत शीर्ष रैंक वाले पर्यटन स्थलों में से एक है;

(ख) यदि हां, तो इस रैंकिंग को बनाए रखने और जारी रखने के लिए क्या कार्रवाई की गई है; और

(ग) सरकार का पर्यटन का विस्तार करने और देश को पर्यटन के अनुकूल बनाने के लिए क्या प्रस्ताव है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रह्लाद सिंह पटेल)

(क) से (ग) : संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा संकलित अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए) के आंकड़ों के अनुसार आईटीए के संदर्भ में वर्ष 2017 के दौरान दुनिया में भारत का छब्बीसवां स्थान था।

पर्यटक स्थलों का विकास एवं संवर्धन करना मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय देश में विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में अपने विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को शामिल करते हुए भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। मंत्रालय ने पर्यटक आगमन बढ़ाने के उद्देश्य से देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:-

- स्वदेश दर्शन, तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और केंद्रीय अभिकरणों को सहायता के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता।
- 167 देशों के नागरिकों को ई-वीज़ा सुविधा का विस्तार।
- विषय वस्तु सृजन तथा बाजार विशिष्ट संवर्धनात्मक योजनाओं के साथ अतुल्य भारत 2.0 अभियान का आरंभ।

- भारत के बारे में एक पर्यटक गंतव्य के रूप में और अधिक सूचना प्रदान करने के उद्देश्य से अतुल्य भारत वेबसाइट का पुनर्निर्माण।
- हिंदी और अंग्रेजी सहित 12 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में **24x7** टोल फ्री बहु-भाषीय पर्यटक हेल्पलाइन का आरंभ।
- पूरे विश्व के देशों में आयोजित होने वाले प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय यात्रा मार्ट के अनुरूप भारत के लिए वार्षिक ग्लोबल पर्यटन मार्ट का आयोजन। यह पर्यटन तथा आतिथ्य उद्योगों के सभी हितधारकों के लिए विचार-विमर्श तथा व्यापार अवसरों का लेन-देन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कान्क्लेव का आयोजन।
- पूर्वोत्तर राज्यों में पर्यटन के संवर्धन के लिए वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का आयोजन।
- यात्रा मेलों और प्रदर्शिनियों में सक्रिय भागीदारी, रोड शो, "भारत को जाने" सेमिनारों एवं कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा विदेश स्थित भारत पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से विदेशी पर्यटक सृजक बाजारों में संवर्धनात्मक कार्यकलाप।

****